राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

86 किलोग्राम वर्ग में दीपक बने दुनिया के नंबर वन पहलवान

>>14

वर्ष 3 अंक 110

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 28 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया : मोदी

यूएन में पीएम ▶ आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो दुनिया, जन कल्याण से जग कल्याण के लिए हम प्रतिबद्ध

भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने की बात पर आमसभा में बजीं तालियां

आशुतोष झा, न्यूयॉर्क

बात जहां से शुरू हुई थी, खत्म भी वहीं हुई। संयुक्त राष्ट्र महाधिवेशन में विश्व के नेताओं के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है और इसीलिए आतंक के खिलाफ जब वह आवाज उठाता है तो इसमें गंभीरता भी होती है और आक्रामकता भी। मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भी एकजुट होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र का जन्म ही इसलिए हुआ कि हर तरह के आतंक का खात्मा हो। इसमें किसी भी तरह का बंटवारा ठीक नहीं होगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से पहले अपने भाषण में पीएम का साफ संदेश था कि भारत में संयम है तो खुद को सुरक्षित रखने का बल भी। यही कारण है कि उन्होंने आक्रामकता शब्द का उपयोग किया।

पिछले एक सप्ताह में पीएम मोदी ने यूं तो अमेरिका सहित दो दर्जन देशों के साथ अलग-अलग बैठकें कर विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की, लेकिन केंद्र में शुरू से आतंकवाद ही था। जिस तरह पाकिस्तान खेमेबाजी की नाकाम कोशिशें कर रहा है उसमें यह तय था कि इस मंच से भी वह कश्मीर मुद्दे को उठाने की कोशिश करेगा। यही हुआ भी। यही कारण है कि मोदी ने एक जिम्मेदार देश की तरह बिना किसी का नाम लिए विश्व को आगाह किया कि इससे लड़ना ही होगा। ध्यान रहे कि अगर मोदी के पहले साल से भी बात करें तो 2014 में इसी मंच से मोदी ने सभी पड़ोसी देशों के साथ मित्रता की बात की थी, लेकिन नवाज शरीफ कश्मीर राग अलापने से नहीं चूके थे। उसके बाद हर बार महाधिवेशन में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज आई थीं और दोनों ओर से तीखे आरोप-प्रत्यारोप हुए थे। इस बार भी पाक की ओर यह कोशिश होती रही। जब महाधिवेशन में विश्व के नेता अपनी बात रख रहे थे तो यूएनओ बिल्डिंग के बाहर पाकिस्तानी कश्मीर का राग अलाप रहे थे और उसके विरोध में भारत के समर्थक खड़े थे।

आतंक से परे मोदी ने देश में तेजी से हो रहे विकास का हवाला देते हुए दुनिया को आश्वस्त किया कि 2022 तक नया भारत खड़ा होगा। टीबी उन्मूलन के लिए जहां दुनिया ने 2030 का लक्ष्य रखा है वहीं भारत 2025 तक इसे पूरा कर लेगा। पीएम ने सिंगल यूज प्लास्टिक से भारत को मुक्त कराने का वादा भी दोहराया। उनकी इस बात पर देर तक तालियां बजती रहीं।

वहीं, नई दिल्ली में पीएमओ ने ट्वीट कर बताया कि संयुक्त राष्ट्र में भाषण खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी को चारों तरफ से बधाइयां मिली। लोगों ने प्रधानमंत्री को उनके सारगर्भित भाषण के लिए बधाइयां दी। प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी को लेकर भी नेताओं में उत्साह नजर आया।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना अधिवेशन में हाथ जोड़कर सभागार में मौजूद लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

तमिल दार्शनिक कनियन और विवेकानंद को किया याद

संयुक्त राष्ट्र आम सभा के सत्र में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए साझा प्रयासों के महत्व पर जोर देते हुए पीएम ने प्रख्यात तमिल दार्शनिक कनियन पुनगुनद्रानर और चिंतक-विचारक विवेकानंद को याद किया कि वे किस तरह दुनिया को एक बनाना चाहते थे, क्योंकि विभाजित विश्व किसी के हित में नहीं है। मोदी ने कहा, कनियन ने तीन हजार साल पहले लिखा था-यादम उरे, यावरुम केड़ीर यानी हम सभी स्थानों के लिए अपनेपन का भाव रखते हैं और सभी लोग हमारे अपने हैं। यही भावना भारत की विशेषता है। सवा सौ साल पहले महान विचारक विवेकानंद ने शिकागो में दुनिया को सौहार्द्र और शांति का संदेश दिया था। मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़े लोकतंत्र का संदेश यही है-सौहार्द्र और शांति।

कश्मीर को लेकर पाक के पीएम ने फिर उगला जहर

विशेष संवाददाता, संयुक्त राष्ट्र

- इमरान बोले, उस राज्य में कर्फ्यू हटते ही खून-खराबा होगा
- संघ पर हमले के लिए कांग्रेस सरकार के पूर्व गृह मंत्री को कोट किया

कश्मीर को लेकर पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी पाक के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने भाषण में कश्मीर पर जहर उगला। उन्होंने चेतावनी भी दी भारत जब कश्मीर से कर्फ्यू हटाएगा तो वहां खून खराबा होगा। यह भी दोहराया कि परमाणु हथियार संपन्न दोनों देशों में युद्ध होता है तो यह उनकी सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र में इमरान के भाषण ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी मुश्किल में खड़ा कर दिया है। महाधिवेशन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला करते हुए इमरान ने कांग्रेस के मंत्री को कोट किया। इमरान ने कहा, 'पूर्व की कांग्रेस सरकार के गृह मंत्री ने बयान दिया था कि संघ की शाखाओं में आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया जाता है।'

यह पहली बार नहीं है कि इमरान ने भारत पर हमला करने के लिए देश के राजनीतिक दलों को कोट किया हो। महाधिवेशन के सत्र से इतर पत्रकारों से बातचीत में भी इमरान ने कांग्रेस को कोट करते हुए कहा था कि जम्मू-कश्मीर में लोगों को 50 दिनों से बंद रखा गया है। कोई नहीं जानता है कि राजनीतिक कैदियों के साथ क्या हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को तंग गली में बंद कर रखा है। इससे पहले कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र को भेजे डोजियर में भी पाकिस्तान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला के बयान को कोट किया था। इमरान खान जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने के भारत सरकार के फैसले से इस कदर बौखलाए हुए हैं कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए निर्धारित समय का भी ध्यान नहीं रखा। (विशेष आयोजन पेज-5 पर)

अमेरिका के न्यूयॉर्क में शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाक के पीएम इमरान खान ने कश्मीर पर अपनी भड़ास निकाली। उनकी हताशा चेहरे पर साफ दिख रही थी। रायटर

दोनों नेताओं के संबोधन में जमीन-आसमान का अंतर

- मोदी ने तय समय सीमा का ध्यान रखा। नेताओं के लिए 15-20 मिनट का समय तय था, पीएम ने 17 मिनट में भाषण खत्म किया।
- इमरान खान आधे घंटे से ज्यादा वक्त तक बोलते रहे। भाषण के दौरान लाल बत्ती जलती रही, लेकिन उसका ध्यान नहीं रखा।
- पीएम मोदी ने विश्व बंधुत्व, शांति-सौहार्द्र और विकास की बातें की।
- इमरान खान खून-खराबे और युद्ध की बातें करते रहे।
- मोदी ने अपने भाषण के दौरान एक बार फिर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया।
- इमरान खान लगभग पूरे समय कश्मीर, भारत, संघ और भाजपा को गलतबयानी करते रहे।
- प्रधानमंत्री मोदी पूरे भाषण के दौरान एक धीर-गंभीर और जिम्मेदार नेता के रूप में नजर आए। जिसे भारत के साथ ही दुनिया की चिंता थी।
- इमरान खान एक नौसिखुआ और अधीर नेता नजर आए, जो किसी भी हाल में अपनी गलत बातों को भी मनवाने पर अड़ा हो।
- प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, मनी लांड्रिंग जैसी चुनौतियों को विस्तार से उठाया।
- इमरान खान आतंकवाद पर तो कुछ बोले नहीं जलवायु परिवर्तन और मनी लांड्रिंग के मुद्दे का सिर्फ जिक्र भर किया।

सरोकार

फार्मर्स स्कूल ने तराशी तो चमक उठी बुंदेली किसानी

बांदा : उत्तर प्रदेश के जिस बुंदेलखंड जिले में सिंचाई के अभाव में फसलें खेतों में दम तोड़ देती थी, वहीं किसानों का यह स्कूल अब उम्मीदें जगा रहा है। पुरुषों के अलावा 3662 महिलाएं भी किसानी में जुट गई हैं। इनमें से 138 महिला किसान स्नातक-परास्नातक हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

बदल रहा है पड़ोसी देश नेपाल, रहें थोड़ा सावधान

महराजगंज : नेपाल जा रहे हैं तो सावधानी बरतें। वहां ढाई माह में आधा दर्जन नए नियम लागू हुए हैं, जो पर्यटकों के साथ आम जन के लिए सहज नहीं हैं। भारत-नेपाल के आपसी व्यापार पर भी इनका सीधा असर दिख रहा है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

जनरल बिपिन रावत बने चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के प्रमुख

नई दिल्ली : वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ ने चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी की कमान शुक्रवार को थलसेना प्रमुख बिपिन रावत को सौंप दी है। धनोआ 30 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। यह कमेटी सेना से जुड़े सभी बड़े फैसले लेती है, जिसकी अध्यक्षता तीनों सेना प्रमुखों में से सबसे वरिष्ठ अधिकारी करते हैं।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

पंजाब में पाकिस्तान से आया एक और ड्रोन मिला

अमृतसर : खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के आतंकी आकाशदीप सिंह और शुभदीप सिंह की निशानदेही पर पुलिस की खुफिया शाखा ने शुक्रवार सुबह भारत-पाक सीमा से सटे गांव महावा से एक और ड्रोन बरामद किया। यह चीनी ड्रोन झाड़ियों से छिपा कर रखा गया था।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

चीन में मुस्लिमों की बदहाली पर क्यों चुप है पाक : अमेरिका

न्यूयॉर्क : कश्मीरी मुस्लिमों पर हो-हल्ला मचा रहे पाकिस्तान से अमेरिका ने सवाल पूछा है कि वह चीन में उइगर मुसलमानों की बदहाली पर चुप क्यों है? अमेरिका की दक्षिण व मध्य एशिया मामलों की कार्यकारी सहायक मंत्री एलिस वेल्स ने कहा, 'मैं चाहूंगी कि इसी तरह की चिंता चीन में रह रहे उइगर मुस्लिमों के लिए भी दिखाई जानी चाहिए, जिन्हें हिरासत केंद्रों में जबरन कैद कर रखा गया है।'

आजकल ▶ पृष्ठ 16

चांद पर भारत के लैंडर विक्रम को नहीं खोज पाया नासा

वाशिंगटन : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने शुक्रवार को भारत के चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम की लैंडिंग साइट की तस्वीरें जारी कीं। नासा ने कहा है कि चंद्रमा की सतह पर विक्रम की हार्ड लैंडिंग हुई थी। यानी विक्रम जोर से टकराया था। नासा हालांकि चांद पर विक्रम को खोज नहीं पाया, क्योंकि तस्वीरें अंधेरे में ली गई थीं। लैंडर को खोजने के लिए नासा अक्टूबर में फिर प्रयास करेगा।

नकारी नहीं जा सकती एएसआइ की रिपोर्ट

माला दीक्षित, नई दिल्ली

- मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में रिपोर्ट को साक्ष्य के तौर पर स्वीकारे जाने का किया विरोध
- रिपोर्ट को अनुमान आधारित, काल्पनिक और महज राय बताया

अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में एएसआइ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) रिपोर्ट को काल्पनिक और महज राय बताते हुए ठोस साक्ष्य न होने की मुस्लिम पक्ष की दलील पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विशेषज्ञों की रिपोर्ट को इस तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जब मुस्लिम पक्ष की वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि एएसआइ की रिपोर्ट अनुमान पर आधारित है। आखिर एएसआइ खोदाई में मिले ढांचे को किस आधार पर मंदिर कह रहा है, उसका यह निष्कर्ष सही नहीं है। इस पर कोर्ट ने उनसे कई सवाल किए। सोमवार को फिर बहस होगी।

हाई कोर्ट ने एएसआइ को यह पता लगाने के लिए विवादित स्थल की खोदाई करके रिपोर्ट देने को कहा था कि क्या विवादित ढांचे के नीचे पहले कोई मंदिर था और क्या मंदिर तोड़कर उस जगह मस्जिद बनाई गई थी। एएसआइ ने खोदाई के बाद हाई कोर्ट को दी रिपोर्ट में कहा है कि विवादित ढांचे के नीचे विशाल संरचना थी जो उत्तर भारत के मंदिर से मेल खाती है।

मुस्लिम पक्ष की ओर से शुक्रवार को भी एसआइ रिपोर्ट पर आपत्तियां उठाई गईं। मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा, एएसआइ की मुख्य रिपोर्ट और उसके निष्कर्ष के बीच कोई सामंजस्य नहीं है। रिपोर्ट साक्ष्य अधिनियम की धारा 45 के तहत सिर्फ विशेषज्ञ की राय मानी जा सकती है। पुरातत्व सर्वेक्षण सामाजिक विज्ञान है क्योंकि उसे विज्ञान की तरह जांचा नहीं जा सकता। एएसआइ के निष्कर्ष अनुमानों पर आधारित होते हैं और अनुमान भिन्न भी हो सकते हैं।

राम चबूतरे के नीचे थी पानी की टंकी : मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि एएसआइ रिपोर्ट के मुताबिक, राम चबूतरे के नीचे वाटर टैंक (पानी की टंकी) पाया गया है। उन्होंने कहा, एसआइ ने खोदाई में मिले खंडहरों को बिना ठोस आधार के मंदिर का अवशेष कह दिया है जो सही नहीं है। खंडहर किसी चीज के भी हो सकते हैं। हाई कोर्ट ने एएसआइ से यह पता लगाने को कहा था कि क्या वहां पहले कोई मंदिर था और क्या मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। रिपोर्ट से यह साबित नहीं होता कि वहां पहले राम जन्मस्थान मंदिर था। न ही यह साबित होता है कि वहां मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। एएसआइ की रिपोर्ट हाई कोर्ट के सवाल का जवाब नहीं देती।

1885 के मुकदमे के बाद दोबारा मामले पर नहीं हो सकता विचार : मुस्लिम पक्ष की ओर से वकील शेखर नाफड़े ने राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे का विरोध करते हुए कहा, 1885 में महंत रघुवर दास ने राम चबूतरे पर मंदिर बनाने के लिए केस किया था। जिला अदालत ने फैसला दिया था जिसमें राम चबूतरे पर हिंदुओं का कब्जा और पूजा का अधिकार तो माना गया था, लेकिन मालिकाना हक नहीं माना था। उसमें कोर्ट ने हिंदुओं को सीमित अधिकार दिए थे।

एएसआइ रिपोर्ट पर कोर्ट में इस तरह हुए सवाल जवाब पेज>>3

बीटेक के अलावा कोई अन्य डिग्री ले सकेंगे आइआइटी में पढ़ने वाले कमजोर छात्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आइआइटी काउंसिल की बैठक में लिया गया फैसला, स्वायत्तता और फीस जैसे मुद्दों पर नहीं हुई कोई चर्चा

पढ़ाई में कमजोर किसी भी छात्र को आइआइटी अब एक ही झटके में बाहर का रास्ता नहीं दिखाएगा। उसे भविष्य की दूसरी राहें चुनने के विकल्प के साथ कम से कम स्नातक स्तर की कोई डिग्री या डिप्लोमा देकर ही विदा किया जाएगा। इसके लिए सभी आइआइटी को पाठ्यक्रम तय करने की स्वतंत्रता दी गई है।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई आइआइटी काउंसिल की सालाना बैठक के एजेंडे में वैसे तो 32 बिंदुओं को शामिल किया गया था, लेकिन कई को अंतिम समय में हटा दिया गया। इनमें आइआइटी को आइआइएम जैसी स्वायत्तता और फीस तय करने के हक जैसे मुद्दे शामिल थे। काउंसिल ने इस दौरान पढ़ाई में कमजोर छात्रों के मुद्दे पर यह भी साफ किया कि यह प्रक्रिया सेकेंड सेमेस्टर के बाद ही अपनाई जाएगी। बता दें कि काउंसिल के एजेंडे में ऐसे छात्रों को बीएससी इंजीनियरिंग की डिग्री देने का प्रस्ताव था जिस पर सहमति नहीं बन पाई। वजह यह है कि आइआइटी दिल्ली ऐसे छात्रों के लिए विशेष पाठ्यक्रम संचालित कर रही है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब आइआइटी में गत कुछ वर्षों में सैकड़ों बच्चे फेल होने के कारण बाहर कर दिए गए।

काउंसिल की बैठक में जिन मुद्दों पर सहमति बनी, उनमें वैश्विक रैंकिंग तैयार करने वाले संस्थानों में भारतीय प्रतिनिधित्व को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। छात्रावास सुविधाओं में सुधार की भी बात कही गई।

रैंकिंग के लिए प्रत्येक आइआइटी की होगी एक कार्ययोजना पेज>>3

चार राज्यों के विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने जीतीं दो सीटें

नई दिल्ली : चार राज्यों की चार विस सीटों के उप चुनाव के नतीजे शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। उत्तर प्रदेश की हमीरपुर, त्रिपुरा की बाधरघाट सीट पर भाजपा को जीत मिली है। वहीं केरल की पाला सीट पर सत्ताधारी एलडीएफ का प्रत्याशी जीता है। छत्तीसगढ़ की दंतेवाड़ा सीट कांग्रेस ने भाजपा से झटकी है। (पेज-4)

भारी बारिश से उप्र में 48 लोगों की मौत, बिहार में स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटों में हुई भारी बारिश ने 48 लोगों की जान ले ली। मौसम विभाग ने 18 जिलों में 48 घंटों के दौरान भारी वर्षा की चेतावनी दी है। वहीं, बिहार में भी शनिवार को इस मौसम की सबसे अधिक व खतरनाक बारिश की आशंका है। (पेज-7)

नीति आयोग की पूर्व सीईओ सिंधुश्री खुल्लर पर चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने आइएनएक्स मीडिया को एफआइपीबी मंजूरी देने के मामले में नीति आयोग की पूर्व सीईओ सिंधुश्री खुल्लर, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के पूर्व सचिव अनूप के.पुजारी, वित्त मंत्रालय में तत्कालीन निदेशक प्रबोध सक्सेना और आर्थिक मामले के विभाग के पूर्व अवर सचिव रबींद्र प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआइ को मंजूरी दे दी है। ज्ञात हो, सरकार ने इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री पी.चिदंबरम पर मुकदमा चलाने की अनुमति इस साल फरवरी में ही दे दी थी। अधिकारियों ने बताया कि खुल्लर 2004-08 के दौरान आर्थिक मामले के विभाग में अतिरिक्त सचिव थीं। वहीं, पुजारी 2006-10 के दौरान संयुक्त सचिव थे। सक्सेना 2008-2010 के बीच विभाग में निदेशक के रूप में सेवारत रहे। प्रसाद भी संबंधित अवधि में कार्यरत थे।

15 शीर्ष आयकर अधिकारी जबरन रिटायर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भ्रष्टाचार पर प्रहार

- प्रिंसिपल से लेकर असिस्टेंट कमिश्नर स्तर तक के हैं सभी अधिकारी
- जून से अब तक 64 आयकर अफसरों की छुट्टी कर चुकी है सरकार

ईमानदार करदाताओं और कारोबारियों को परेशान करने वाले भ्रष्टाचार के आरोपित टैक्स अफसरों पर कड़ी कार्रवाई जारी रखते हुए मोदी सरकार ने शुक्रवार को आयकर विभाग के 15 और वरिष्ठ अफसरों को जबरन रिटायर कर दिया। जिन अफसरों की छुट्टी की गई है वे प्रिंसिपल कमिश्नर, कमिश्नर, ज्वाइंट कमिश्नर, एडीशनल कमिश्नर और असिस्टेंट कमिश्नर स्तर के हैं। इनमें से कई पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं जबकि कुछ को सीबीआइ ने जाल बिछाकर पकड़ा है। इस साल जून के बाद यह चौथा मौका है जब सरकार ने भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें नौकरी से निकाला है।

सूत्रों के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ डाइरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने फंडामेंटल रूल 56 (जे) का इस्तेमाल करते हुए जिन अफसरों को जबरन रिटायर किया है, उनमें लखनऊ में तैनात तत्कालीन कमिश्नर इनकम टैक्स (अपील) ओपी मीणा और चेन्नई में तैनात कमिश्नर शैलेंद्र मामिदी शामिल हैं। मामिदी को सीबीआइ ने गिरफ्तार किया था। उन पर करदाताओं और जूनियर अफसरों से घूस लेने का आरोप है। इनकम टैक्स कमिश्नर पीके बजाज, ज्वाइंट कमिश्नर संजीव घेई, एडिशनल कमिश्नर जयप्रकाश, एडिशनल कमिश्नर वी. अप्पला राजू, एसिस्टेंट कमिश्नर राकेश एच. शर्मा और डिप्टी कमिश्नर नितिन गर्ग, सीबीडीटी के डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स एसए फजलुल्ला, डिप्टी कमिश्नर कृपा सागर दास, असिस्टेंट कमिश्नर पी. जोश कुंजीप्पलु, असिस्टेंट कमिश्नर सीजे विन्सेंट, डिप्टी कमिश्नर टीके भट्टाचार्य, ज्वाइंट कमिश्नर कमलेश कुमार त्रिपाठी और एडीशनल कमिश्नर एसआर सेनापति को भी घूसखोरी और आय के अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में जबरन रिटायर किया गया है।

सीबीडीटी ने यह कदम प्रधानमंत्री मोदी के इस साल 15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद उठाया है। पीएम ने कहा था कि टैक्स प्रशासन को कलंकित करने वाले कई ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने हो सकता है कि अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर ईमानदार करदाताओं को तंग किया हो। सरकार ऐसे व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेगी। इससे पहले सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम भी कई अफसरों को जबरन रिटायर कर चुका है। कुल मिलाकर बीते चार माह में भ्रष्टाचार के आरोपित 64 टैक्स अफसरों की छुट्टी हुई है।

सेंट्रल सिविल सर्विसेज (पेंशन) रूल्स, 1972 के नियम 56जे के तहत सरकार कर्मचारियों की सेवा की समीक्षा करने के साथ ही नौकरी से हटा सकती है।

बड़ा फैसला

पहली बार पर्यटक वीजा जारी करने का ऐतिहासिक फैसला लिया, विदेशी महिलाओं के लिए अबाया पहना अनिवार्य नहीं होगा

अब आप सिर्फ घूमने के लिए भी जा सकेंगे सऊदी अरब

- अभी तक कामगारों और हज यात्रियों को ही दिया जा रहा था वीजा
- तेल पर अर्थव्यवस्था की निर्भरता कम करना चाहता है देश

ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों से संपन्न है सऊदी अरब। फाइल फोटो

रियाद, एएफपी : अब लोग घूमने के लिए भी सऊदी अरब जा सकेंगे। सऊदी अरब ने शुक्रवार को कहा कि पहली बार वह पर्यटक वीजा जारी करने जा रहा है। तेल पर अर्थव्यवस्था की निर्भरता कम करने के प्रयास के तहत धुर रूढ़ीवादी देश ने यह फैसला लिया है। देश ने विदेशी महिलाओं के लिए कठोर ड्रेस कोड में ढील दी है। उन्हें अबाया (चेहरा ढकने वाला पर्दा) के बगैर बाहर निकलने की छूट मिलेगी। अभी तक सऊदी महिलाओं को बाहर निकलने के लिए ऐसा परिधान पहनना अनिवार्य है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उसके पास पांच विश्व विरासत स्थलों के अलावा प्राकृतिक सौंदर्य भी हैं। अभी तक यह देश कामगारों, उनके आश्रितों और मक्का-मदीना जाने वाले मुस्लिम तीर्थयात्रियों को ही वीजा दे रहा था।

पर्यटन प्रमुख अहमद अल-खातीब ने एक बयान में कहा है, 'हमने आज एक इतिहास रचा है। पहली बार हम दुनिया भर के पर्यटकों के लिए अपने देश का दरवाजा खोल रहे हैं। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और कई यूरोपीय सहित 49 देशों के नागरिक ऑनलाइन ई-वीजा या पहुंचने पर वीजा के लिए पात्र हैं। 140 रियाल यात्रा बीमा का अतिरिक्त खर्च के साथ वीजा पर 300 रियाल खर्च आएगा। पर्यटकों को अधिकतम 90 दिन रुकने की अनुमति मिलेगी।' पर्यटक वीजा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान द्वारा शुरू किए गए उदारीकरण के प्रयासों का हिस्सा है। क्राउन प्रिंस के विजन 2030 रिफार्म कार्यक्रम में तेल पर अर्थव्यवस्था की निर्भरता को कम करना शामिल है।

लेकिन रूढ़ीवादी देश में शराब पर पाबंदी है। बिना पुरुष के स्त्री के नहीं होने के नियम को दुनिया भर के पर्यटकों के आकर्षण की राह में रोड़ा माना जा रहा है। पर्यटन अधिकारियों ने कह है कि सऊदी अरब शराब की अनुमति नहीं देगा। लेकिन खातीब ने कहा कि अकेले आने वाली विदेशी महिलाओं पर कोई पाबंदी नहीं होगी।

रेगिस्तान में बसा यह देश कई ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों से संपन्न है। सालेह में सदियों पुराने मादा को विकसित करने में जुटा है। बालू पत्थर के मकबरे प्राचीन सभ्यता में निर्मित हुए थे। उसी सभ्यता के दौरान जार्डन सिटी प्रेट्रा का विकास हुआ था।

उदारीकरण से बदलाव लाना चाहते हैं प्रिंस सलमान : प्रिंस सलमान उदारीकरण के माध्यम से बदलाव लाना चाहते हैं। इसी के तहत रियाद ने पिछले वर्ष खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए पर्यटकों को अस्थायी वीजा जारी किया था। प्रिंस सलमान ने देश के कुछ कठोर नियमों में ढील दी थी। सिनेमा पर से प्रतिबंध हटा लिया और स्त्री-पुरुष मिश्रित कंसर्ट आदि को अनुमति दी थी।

युवाओं की बेरोजगारी से जूझ रहा है देश : बड़े पैमाने पर युवाओं की बेरोजगारी और तेल की कम होती कीमत से परेशान सऊदी अरब सरकार को उम्मीद है कि 2030 तक पर्यटन देश को सकल घरेलू उत्पाद में 10 फीसद का योगदान दे सकेगा। वर्तमान में इसका योगदान मात्र तीन फीसद है। विदेशी पर्यटकों के पहुंचने से देश को 10 लाख रोजगार सृजित होने की भी उम्मीद है।

बुनियादी ढांचा में कमी है सबसे बड़ी समस्या : वर्तमान में सऊदी अरब बुनियादी ढांचा में कमी से जूझ रहा है। विदेशी पर्यटकों के ठहरने के लिए आने वाले दशक में उसे 500,000 नए होटल कमरों की जरूरत होगी। पर्यटन को बल देने में जुटे देश ने 2017 में लाल सागर में 50 द्वीपों एवं अन्य प्रमुख जगहों को लग्जरी रिसोर्ट में बदलने की परियोजना की घोषणा की थी।

सेना का चीता हेलीकॉप्टर भूटान में गिरा, दोनों पायलट शहीद

- अरुणाचल के खिरमू से योंगफुल्ला की उड़ान पर था, मामले की जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसियां : भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे भूटान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दोनों पायलट शहीद हो गए, जिनकी पहचान भारतीय सेना के एविएशन कोर के लेफ्टिनेंट कर्नल रजनीश परमार और रॉयल भूटान सेना के कैप्टन कलजांग वांग्डी के रूप में हुई है। हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया है। हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

सेना के प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने बताया कि सिंगल इंजन वाले चीता हेलीकॉप्टर ने अरुणाचल प्रदेश के खिरमू से भूटान के योंगफुल्ला के लिए उड़ान भरी थी। दोपहर लगभग एक बजे हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया और वो राडार से ओझल हो गया। बता दें कि पिछले चार दशक से इस्तेमाल किए जा रहे चीता हेलीकॉप्टर को आर्मी अफसर लंबे समय से हटाने की मांग कर रहे हैं। ये हेलीकॉप्टर आज भी 60 के दशक की तकनीक से उड़ान भर रहे हैं। चीता हेलीकॉप्टर अपनी तय उम्र से ज्यादा सेवा दे रहे हैं।

भूटान में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मौके पर जुटे जवान। एएनआइ

सेना में करीब 170 चीता और चेतक हेलीकॉप्टर हैं। 1990 में ही इनका निर्माण (प्रॉडक्शन) रोक दिया गया था। फ्रांस की जिस सरकारी कंपनी के लाइसेंस पर हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ये हेलीकॉप्टर बना रही थी वह 2000 से बंद है।

शाम होते-होते ढल गईं जांबाज रजनीश के जन्मदिन की खुशियां पेज>>7